निनाद

Adabi Kunba
Silsila Yaari ka...

INDORE RELIGION CONCLAVE

11-12 April 2018

हमसाज़

AMBER CONVENTION CENTRE, BY SAYAJI
NEAR BEST PRICE, BYPASS ROAD, INDORE

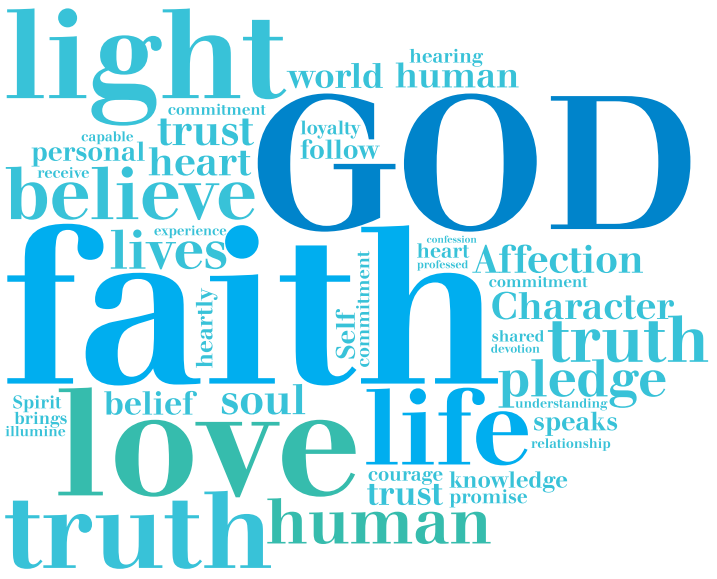

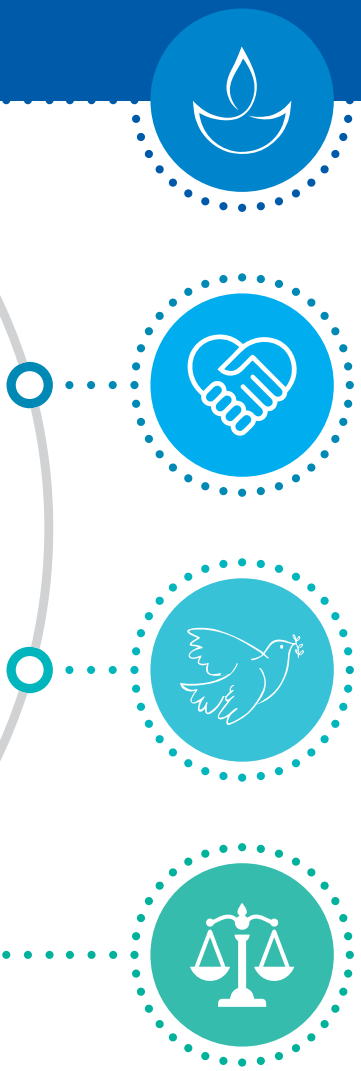

सौ चराग़ जलते है
इक़ चराग़ जलने से

म़ज़हब ज़िंदा है, तो वजह अच्छाई है, इसलिए न सिर्फ कामयाबी के साथ खड़े हैं, लाखों-करोड़ों को साथ लिए हुए हैं, उनकी रहनुमाई कर रहे हैं, इंसानियत को ताक़त दे रहे हैं। उसके डीएनए में नफरत नहीं है। हिंदू मज़हब अगर वसुधैव कुटुंबकम की बात करता है, तो इस्लाम का मतलब ही शांति है। ईसाईयत भी सफेद झंडा लिए खड़ी है। बौद्ध, जैन और सिख भी जुदा नहीं हैं। बावजूद इसके गलतफहमियों ने दीवार बना ली है, जिसे ज़मीदोज़ किए बिना नफ़रत को खत्म नही किया जा सकता है और न ही मोहब्बत को आम किया जा सकता है। इन दीवारों को गिराने का अच्छा तरीका एक-दूसरे के मज़हब की इज़्ज़त करना, उसको समझना है।

इसीलिए हमसाज़ की ज़रूरत महसूस हुई है। जहां अलग-अलग मज़हब के जानकार, आलिम और विद्वान साथ होंगे। 11 और 12 अप्रैल 2018 को होने वाले **इंदौर रिलिजन कॉन्क्लेव** में मज़हब क्या है, उनकी तालीम क्या है, वो क्या सीख देते हैं और इंसानियत को ज़िंदा रखने में उनका क्या किरदार है, जैसे मौज़ू (विषय) पर बात होगी। आपसे इल्तिजा है, इंसानियत को फ़रोग़ देने की इस कोशिश को, अपनी मौजूदगी से ताक़त दें और बताएं...

मज़हब नहीं सिखाता
आपस में बैर रखना

अब देश को लौटाने का समय है...

श्री भय्यूजी महाराज
मेंटर

भारत वो देश है, जो बरसों-बरस से कई धर्मों को अपने अंदर समाए हुए है और ऐसे राष्ट्र के तौर पर खड़ा है, जहां धार्मिक समरसता जीवित है। भारत ने कभी भी किसी धर्म के साथ भेदभाव नहीं किया। सबको अधिकार दिए, यही वजह है, जब मंदिरों से घंटी की आवाज़ आती है तो मस्जिद से अजान भी सुनाई देती है। गुरुवाणी भी कानों तक पहुंचती है और चर्च की घंटियां भी खामोश नहीं रहती, लेकिन समय-समय पर कुछ ऐसी शक्तियां धार्मिक स्वतन्त्रता का फायदा उठा कर समाज मे विघ्न पैदा करती है और एक विचार को बल देती है। भारत की धार्मिक सभ्यता ने सीख दी है, इंसानो और उनके धर्मों से भेद मत करो। लोगो को बाटों मत और देश को सर्वप्रिय मानकर न्याय से काम लो। राष्ट्र ने जब किसी के साथ भेदभाव नहीं किया, सबको अपना लिया तो अब धर्मों की ज़िम्मेदारी है, वो राष्ट्र को दें, उसे मज़बूत करें, उसके लिए एक जैसी सोच पैदा करें और अपने अंदर उसको वो मुकाम दें, जो उसने धर्मों को दे रखा है। इन्हीं सब विचारों को मंच देने के लिए इंदौर रिलीजन कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। **'हमसाज़'** के ज़रिए मानवता, सामाजिक समरसता के अलावा सांप्रदायिक सौहार्द को ताकत देने की कोशिश है। दो दिन के इस आयोजन में देश के विद्वान शामिल हो रहे हैं और उनके ज़रिए कोशिश रहेगी कि धर्म का वो स्वरूप सामने आए, जो शुद्ध है, वास्तविक है और जिसमें आडंबर नही है, जिसमें किसी के लिए डर भी नहीं है और जो सबको साथ लेकर चलने की बात करता है। वसुधैव कुटुंबकम ही संदेश रहा है और उसे ही आगे करने का प्रयास है।

हमदम...

Patron:
Purusottam Agrawal
Founder Chairman
Agrawal Group

Treasurer
Vishwas Vyas
Director, CH Institute of Management & Commerce

President:
Swapnil Kothari
Chancellor
Renaissance University

Vice President:
Gulaam Gous Sherani
Social Activist

Guardian:
Iqbal Gouri
Pakiza

Joint Secretary
Vijay Bhatt
Chairman, Balaji Group of Companies

Chairman:
Santosh Singh
Director
DHL Infrabulls Samuh

Secretary
Rajesh Rathore
Journalist

Convinor:
Rohan Sharma
Consultant Oracle Cor
Satyam Khandelwal
Managing Editor Ravivaar

Associates
Shridhant Joshi
MD, Kautilya Academy

बुधवार, 11 अप्रैल 2018

मेहमां जो

शुभारंभ (सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30)
गीता श्लोक, कुरआन पाठ, गीत, सर्वधर्म प्रार्थना

अतिथि संतः
श्री भय्यूजी महाराज
आचार्य डॉ. लोकेश मुनिजी
मौलाना मेहमूद मदनी
शहजादा डॉ. अब्देअली सैफुद्दीन
डॉ. हरबनसिंहजी (अलवर वाले)
अल्लामा सय्यद अब्दुल्ला तारिक़
भिक्खू प्रज्ञादीपजी
दातीजी महाराज मदन राजस्थानी
महामंडलेश्वर श्री केशवदासजी महाराज
मॉरन मॉर बासेलियम
सूफी एम.के. चिश्ती

विशेष अतिथिः
डॉ. उदय निर्गुणकर जी
डॉ. सुभाष खंडेलवाल जी
पुरुषोत्तम अग्रवाल जी

व्याख्यान
दोपहर 12.45 से 2.15
विषयः क्या धर्मों का मिलन जरुरी है?
वक्ताः ब्रह्मादेश आनन्दचार्य स्वामी जी
शहजादा अब्देअली सैफुद्दीन, डॉ. उदय निर्गुणकर
डॉ. हरबनसिंह जी (अलवर वाले)
एंकरः विश्वास व्यास, **अध्यक्षताः** डॉ. संतोषसिंह

2.15 से 3 बजे तक - लंच ब्रेक

रुबरु
3 बजे से 4
वक्ता : भय्यूजी महाराज
सैय्यद अब्दुल्लाह तारिक़, एन. रघुरमन
एंकरः जयदीप कर्णिक

4 से 4.30 तक
गीत - चाय ब्रेक

व्याख्यान
4.30 से शाम 6 बजे तक
विषयः धर्म है तो अधर्म क्यों?
वक्ताः भय्यूजी महाराज,
मौलाना मेहमूद मदनी, प्रो. नीलिम्प त्रिपाठी
एंकरः विजय भट्ट
अध्यक्षताः मक़सूद हुसैन ग़ौरी

आमने-सामने
6.15 से 7.15 बजे तक
आचार्य डॉ. लोकेश मुनिजी,
मौलाना मेहमूद मदनी,
ब्रह्मादेश आनन्दचार्य स्वामी जी
एंकरः स्वप्निल कोठारी

व्याख्यान
7.30 से 9 बजे तक
विषयः वर्तमान परिदृश्य में धर्म की आवश्यकता
वक्ताः महामंडलेश्वर श्री केशवदासजी महाराज
अल्लामा सैय्यद अब्दुल्लाह तारिक़
डॉ. लोकेश मुनिजी, एन. रघुरमन
एंकरः अर्जुन राठौर, **अध्यक्षताः** गुलाम गौस शिरानी

आज का हासिल
9.00 से 9.15 बजे तक
स्वप्निल कोठारी से पूछेंगे **हिदायतउल्लाह खान**

शब-ए-साबरी (कव्वाली)
रात 9.30 बजे से
असलम साबरी, मुंबई

आने वाले है...

गुरुवार, 12 अप्रैल 2018

सुबह 10.30 से 11.00
गीता श्लोक, कुरआन पाठ, गीत, सर्वधर्म प्रार्थना

सुबह 11.00 से दोपहर 12.30
व्याख्यान
विषयः धार्मिक आडम्बर और संतों की ज़िम्मेदारी
वक्ताः सैय्यद सलमान चिश्ती, फादर जोस प्रकाश
निमाई सुंदरदास, सैय्यद अली मोहम्मद नक़वी
डॉ. हरबनसिंह जी (अलवर वाले)
एंकरः श्याम सुंदर पलोड़, **अध्यक्षताः** श्रीधांत जोशी

12.30 से 1.30 बजे तक
व्याख्यान
विषयः धर्म और स्त्री स्वतंत्रता
वक्ताः श्री महंत साध्वी प्रज्ञा भारतीजी
ब्रहमाकुमारी उर्मिला दीदी, तैय्यबा मोईन फातिमा
एंकरः डॉ. रश्मि दुबे
अध्यक्षताः मनीषा सोजातिया

लंच ब्रेकः 1.30 बजे से 3.00

3.00 से 4.00 बजे तक
रुबरु
वक्ताः महामंडलेश्वर श्री केशवदासजी महाराज
वाजिद अली खान, मौलाना गुलाम वस्तान्वी
एंकरः विजय भट्ट

4.00 से शाम 5.30 बजे तक
व्याख्यान
विषयः धर्म और मानव अधिकार
वक्ताः सत्यनारायण सत्तन, प्रो. नीलिम्प त्रिपाठी
लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, वाजिद अली खान
एंकरः अरविन्द शर्मा जैमन
अध्यक्षताः पंडित देवी प्रसाद शर्मा (अधिवक्ता)

5.30 से 5.45 तक
चाय ब्रेक

5.45 से 6.45 बजे तक
आमने-सामने
वक्ताः सूफी सैय्यद सलमान चिश्ती
लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, सत्यनारायण सत्तन
एंकरः संजय पटेल

7.00 से 9 बजे तक
व्याख्यान
विषयः धर्म, राजनीति और धर्म गुरू
वक्ताः भय्यूजी महाराज, मौलाना गुलाम वस्तान्वी,
ब्रह्मादेश आनन्दवार्य स्वामी जी,
सैय्यद अली मोहम्मद नक़वी
एंकरः स्वप्निल कोठारी, **अध्यक्षताः** रशीद मुलतानी

हमसाज़ का हासिल
9.00 से 9.15 बजे तक
संतोषसिंह, इकबाल हुसैन गौरी
राजेश राठौर से पूछेंगे **जयदीप कर्णिक**

परमहंस दातीजी महाराज

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008

ज्योतिष विद्या में जो पहली पंक्ति के संत है, उनमें परमहंस महामंडलेश्वर दातीजी महाराज का नाम लिया जाता है। शिवभक्त हैं और ज्योतिष विद्या से देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी पहचाने जाते हैं। महाराज के तीन प्रमुख सिद्धांत हैं सेवा, सतसंग और सुमिरन। आपका जन्म 10 जुलाई 1950 को राजस्थान के पाली जिले के अलावास गांव में हुआ था। छोटी उम्र से ही महाराज का लगाव ईश्वर से हो गया। फिर आपने दुनिया में ज्योतिष, ध्यान और शनि की गलतफहमियों को दूर करने का मन बनाया। महाराज अपने उज्जैन आश्रम में देश की सबसे ऊंची शनिदेव की प्रतिमा भी लगवा रहे है। आश्रम में अनाथ बालिकाओं के लिए स्कूल, कॉलेज भी बन रहा है।

मौलाना महमूद मदनी उन इस्लामी विद्वानों में शामिल है, जो साम्प्रदायिकता, आतंकवाद और नफ़रत के खिलाफ़ बेबाक़ बोलने के लिए जाने जाते हैं। उनका संगठन जमीयत उलेमा ए हिन्द समाज में जागरूकता के लिए काम कर रहा है। मौलाना मदनी राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं। आपको इल्म और बेबाकी विरासत में मिली है, दादा सैयद हुसैन अहमद मदनी स्वतंत्रता सेनानी रहे और पिता मौलाना असद मदनी जो जमीयत उलेमा ए हिन्द के संस्थापक थे, समाज के लिए काम करने का जज़्बा मौलाना मदनी में पिता से ही आया है। देवबंद में पैदा हुए मौलाना को तब बहुत सराहा गया, जब उन्होंने उस वक्त के पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ से कह दिया था, आप हमारे देश में दखलंदाज़ी क्यों करते हैं। जब भी देश को मानवता और एकता की ज़रुरत महसूस हुई है, मौलाना आगे खड़े दिखाई दिए है।

मौलाना महमूद मदनी

महासचिव
जमीयत उलेमा ए हिन्द

आचार्य डॉ. लोकेश मुनि

संस्थापक
अहिंसा विश्व भारती

17 अप्रैल 1 9 61 को जन्मे आचार्य डॉ. लोकेश मुनि समाज सुधारक, बहुमुखी विचारक, लेखक और कवि हैं। शिक्षा के बाद उन्होंने जैन, बौद्ध, वैदिक और दूसरी देशी-विदेशी भाषाओं का ज्ञान लिया और उसके ज्ञाता कहलाते हैं साथ ही सभी विचारों का अध्ययन भी आपने किया है। तीस बरस से आचार्यजी देश-विदेश में राष्ट्रीय चरित्र, मानव मूल्यों के विकास और समाज में गैर-विषाद, शांति और आपसी सहयोग स्थापित करने के लिए प्रयास कर रहे है। उन्होंने सामाजिक बुराइयों को दूर करने और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए देश में करीब बीस हजार किलोमीटर की यात्रा की है। वे कहते हैं, 'मेरी पहली और आखिरी महत्वाकांक्षा है किमैं दुनिया को हिंसा, आतंकवाद और तनाव से मुक्त कर सकूं साथ ही शांति और पारस्परिक सहयोग स्थापित करने में योगदान दे सकूं।' आचार्यजी की कोशिश दिख भी रही है, क्योंकि वो हर उस मंच पर दिखाई देते है जहां सामाजिक सौहार्द और मानवता शामिल होती है।

24 अक्टूबर 2012 को मॉरन मॉर बासेलियस क्लीमिस कैथोलिकस को पोप बेनेडिक्ट XVI ने कार्डिनल बनाया। वे सिरो-मालंकक कैथोलिक चर्च के सबसे छोटी आयु में बनने वाले कार्डिनल है।

मॉरन मॉर बासेलियस क्लीमिस
कार्डिनल ऑफ इण्डिया

भिक्खू प्रज्ञादीप जी

महासचिव-आल इंडिया भिक्खू संघ
इंटरनेशनल बुद्धिस्ट काउंसिल

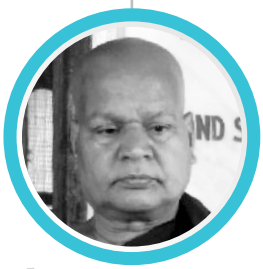

डॉ. हरबनसिंह जी

(अलवर वाले) कथा वाचक
गुरुद्वारा अमृतसर मनजी साहेब

शहजादा डॉ. अब्देअली सैफुद्दीन

डायरेक्टर
प्रोग्राम्स एट फातेमी दावत

शहजादा डॉ. अब्देअली सैफुद्दीन युनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर से इस्लामिक न्यायशास्त्र और वित्त के इस्लामिक सिद्धांतों में पीएचडी की है। 53वें दाई अल-मुतलक के पुत्र, दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख, सैय्यदना खुजैमा कुतुबुद्दीन साहेब और 54वें दाई अल-मुतलक सैय्यदना ताहिर फख़रुद्दीन साहेब के भाई हैं। शाहज़ादा सैफुद्दीन 2005 से 2010 तक लंदन में इस्माइली स्टडीज संस्थान में विजिट रिसर्च फेलो थे। आपने भारत, अमेरिका, मध्य पूर्व और यूरोप में कई अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलनों में हिस्सा लिया। पोस्ट-डॉक्टरेट शोध लंदन से किया। दाऊदी बोहरा समुदाय के शिक्षण, परामर्श, सार्वजनिक और परियोजना मैनेजमेंट के लिए बीस साल से ज़्यादा समय तक काम किया है। सांप्रादायिक सौहार्द और धर्मों के मिलन में आप आगे रहते है साथ ही अलग-अलग बिरादरी और समाज को एक साथ लाने की कोशिश को शहज़ादा अब्देअली सैफुद्दीन ने सराहा है और उसका साथ भी बने है।

विश्वप्रसिद्ध परम देवरहा बाबाजी की शिष्य परंपरा में महाराजजी श्री श्री 1008 श्री महंत महामंडलेश्वर योगिराज स्वामी श्री गरुण दासजी के कृपा पात्र है। नार्थ ईस्ट में विभिन्न सामाजिक प्रकल्प संचालित करते है। मानवता और प्रकृति संरक्षण के लिए स्वामी जी ने बहुत काम किया है जिसको नार्थ ईस्ट में सराहा भी जाता है। महाराज सांसारिक शोर शराबे से दूर काम कर रहे है जिसमें बहुत कुछ ऐसा है जो समाज के कमजोर और पीछे रह गये मनुष्य को साथ लाने के लिये है। महाराजजी ने जो विशिष्ट कार्य किए है उनमें वंचित वर्ग के बच्चो की शिक्षा-दीक्षा और पर्यावरण संरक्षण प्रमुख है। पर्यावरण के लिये महाराजश्री ने कई योजनाएं चलाई है और कई लोगों को इस भावी परियोजना से जोड़ा भी है और उसका लाभ भी दिलाया है। देश भर में आपके धर्म और आध्यात्मिक विषयो पर प्रवचन, व्याख्यान होते है।

श्री श्री 1008 श्री महंत महामंडलेश्वर स्वामी श्री केशव दासजी महाराज

निर्मोही अखाड़ा
रुद्रेश्वर, गुवाहाटी

एन. रघुरमन

मैनेजमेंट गुरु

कलम से युवाओं को दिशा देने का काम कर रहे एन. रघुरमन विश्व विख्यात प्रबंधन गुरु, ट्रेनर, प्रबंधन चिंतक, नेतृत्व प्रशिक्षक, कॉर्पोरेट ट्रेनर और लेखक के रूप में जाना पहचाना नाम है। कलम से वो मैनेजमेंट गुरु बन गए है और जहां भी दिशा की ज़रुरत होती है, हौंसला चाहिये रहता है रघुरमन को याद किया जाता है। दैनिक भास्कर में हर दिन आने वाला उनका मैनेजमेंट फंडा बरसों से चल रहा है और उसकी उम्र ही कामयाबी का सबूत है। रघुरमन का जन्म 13 मई 1960 को तमिलनाडू में हुआ। मां श्रीमती जयलक्ष्मी गृहणी है और पिता श्री वैंकेटारामन नटराजन् वर्धा रेलवे स्टेशन में नौकरी करते थे। रघुजी के दादाजी के भाई डा0 शंकरन् ने गांधीजी को तमिल भाषा सिखाई। बचपन में गरीबी की वजह से ट्यूशन पढ़ाई और खुद की पढ़ाई का खर्च निकाला। गांव में अच्छा स्कूल ना होने की वजह से उनका परिवार नागपुर जा कर बस गया। कहते है एक अच्छी किताब सौ दोस्तों के बराबर होती हैं लेकिन एक उत्साहित करने वाला दोस्त हो तो वो लाईब्रेरी के बराबर होता है। रघुरमन हज़ारो प्रेरक प्रंसगों और जागरूक करने वाले फंडो की चलती फिरती लाइब्रेरी हैं।

हिंदुस्तान में जो पहली कतार के इस्लामी विद्वान हैं, उनमें मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी का नाम लिया जाता है। जामिया इस्लामिया इशातुल उलूम (अक्कलकुआ, महाराष्ट्र) के डायरेक्टर हैं, फाउंडर हैं जो 500000 वर्ग मीटर में फैला हुआ हैं और जहां 30000 से ज्यादा छात्र तालीम हासिल कर रहे हैं। सिर्फ इस्लाम ही नहीं पढ़ रहे हैं, यूनानी मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और एमबीबीएस कॉलेज भी है। इसके अलावा और भी कई कोर्स हैं। इस संस्थान की जो अलग-अलग शाखाएं हैं, उनमें करीब 2,00,000 छात्र तालीम हासिल कर रहे हैं। मौलाना वस्तानवी दारुल उलूम देवबंद के चांसलर भी रह चुके हैं और मुस्लिम समाज में शिक्षा, रोजगार के लिए काम कर रहे हैं। मौलाना ने शिक्षा को अपना मिशन बना रखा है और इसके ज़रिये वो मुस्लिम समाज में तब्दीली की कोशिश कर रहे है, जिसका नतीजा भी दिखने लगा है।

मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तान्वी

डायरेक्टर
जामिया इस्लामिया इशातुल उलूम

डॉ. उदय निर्गुणकर

ग्रुप एडीटर - रीजनल (वेस्ट)
न्यू 18 लोकमत

मुंबई युनिवर्सिटी से विज्ञान स्नातक उदय निर्गुणकर ने अपनी एम.बी.ए. और पी.एच.डी. की डिग्री पूना युनिवर्सिटी से हासिल की। फोर्ब्स जैसे विश्वख्यात इंग्लिश पत्रिका सहित जी न्यूज, डीएनए जैसे कई बड़े मीडिया ग्रुप में काम किया है। आपको इस क्षेत्र में सार्थक कार्य करने हेतु कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है साथ ही आप मराठी में सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब (सीईओ-लोकल-ग्लोबल) के लेखक भी रह चुके है।

फादर जोस प्रकाश

संस्थापक निदेशक -
दिव्य वाणी संघ, भोपाल

रामपुर (उ.प्र.) में जन्में अब्दुल्लाह तारीक़ इस्लाम के साथ अन्य धर्मों के भी जानकार है। आपने अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी से इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली है। भारत के सबसे प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों में से एक भारतीय प्रबंधन संस्थान- अहमदाबाद में 15 सालों तक गेस्ट फेकल्टी के तौर पर काम किया है। 2008 मे उन्हें इस्लामी रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) ने अपने शांति सम्मेलन में व्याख्यान देने के लिये बुलाया था, इसी साल स्पेन में हुई इंटरफेथ वार्ता में भी बोलने के लिए आमंत्रित किया गया। मैड्रिड में मुस्लिम वर्ल्ड लीग द्वारा आयोजित विश्व सम्मेलन में उन्होंने मुसलमानों की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनकी उपलब्धियां कई संस्थानों, संगठनों में विभिन्न समुदायों और देशों में आध्यात्मिक ज्ञान को सफलतापूर्वक प्रदान करने में प्रतिबिंबित होती है।

अल्लामा सैय्यद अब्दुल्लाह तारीक़

इस्लामिक स्कॉलर
अध्यक्षः वर्ल्ड ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ रिसर्च एण्ड नोलेज (वर्क)
रामपुर, उत्तर प्रदेश

श्री महंत साध्वी प्रज्ञा भारती जी (वृंदावन)

मानस मर्मज्ञा और
भागवत विभूषण

साध्वीजी छोटी उम्र से ही ध्यान में लग गई थी और ईश्वर के करीब आने के बाद उन्होंने छह साल की उम्र में धार्मिक प्रवचन देना शुरु कर दिये थे। वृंदावन में उनके प्रवचन लोकप्रिय हुए और देखते ही देखते कनाडा, थाईलैंड, श्रीलंका और नेपाल तक पहुंच गए। कई देशों में साध्वी प्रज्ञा भारतीजी ने धार्मिक प्रवचन दिये हैं, वो सिर्फ प्रवचन ही नही देती है, जनकल्याण के कामों में भी सक्रिय है। अन्न क्षेत्र में काम कर रही है, गोशाला भी है और स्वास्थ्य शिविर के जरिये मानव जाति के कल्याण में जुटी हुई है। इसीलिये बनारस विश्वविद्यालय ने मानस मणि की उपाधि दी है। साध्वीजी के गुरु श्री श्री 1008 महंत नृत्यगोपालदासजी है।

3 जनवरी 1964 में जन्मी उर्मिला देवी ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से एम.ए. की डिग्री प्राप्त की। आप अच्छी लेखिका भी हैं। कईं पत्र-पत्रिकाओं में आपके लेख प्रकाशित होते है। अमृत संचय नाम से आपकी दो पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत शिविर लगाकर लोगों की मदद करती हैं ना केवल भारत में बल्कि कीनिया, थाईलैंड और म्यांमार में भी ईश्वरीय सेवाएं दी हैं। आपने अनेक आध्यात्मिक अभियानों जैसे भारत एकता युवा साइकिल अभियान, शिव संदेश रथ-यात्रा अभियान इत्यादि के द्वारा भारत के विभिन्न प्रांतो तथा नेपाल में भी अपनी ईश्वरीय सेवाएं दी है।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उर्मिला देवी

राजयोग शिक्षिका
ईश्वरीय विश्वविद्यालय
माउंट आबू

हाजी सैय्यद सलमान चिश्ती

26वें गद्दीनशीं
हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती (रह.) अजमेर

अजमेर शरीफ के सूफी चिश्ती खानदान में 9 मार्च 1982 को आपका जन्म हुआ। आप दरगाह के 26वें गद्दीनशीं बनें, उन्हें कलात्मक फोटोग्राफी का भी शौक है आपने सूफी सम्प्रदाय से जुड़ी यादगार चीज़ों की फोटोग्राफी भी की है। उनके फोटों की प्रदर्शनी भी लगी है और प्रकाशन भी हुआ है। आपने ना केवल भारत में बल्कि मिस्र, तुर्की, मोरक्को, सेनेगल, इथियोपिया, कज़ाखस्तान, किर्ग़िस्तान, सिंगापुर, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ग्रीस, बोस्निया-हर्ज गोविना, नीदरलैंड, ईरान, भारत, पाकिस्तान, बंग्लादेश, इंडोनेशिया, श्रीलंका, नेपाल, चीन, हांग काँग, म्यांमार, इत्यादि देशों में भी सूफीइज़्म पर व्याख्यान दिये हैं।

1953 में जन्मे अली मोहम्मद नकवी के पिता अल्लामा अली नकवी दुनिया के माने हुए थियोलॉजी विद्वान थे। अली नकवी की शुरुआती शिक्षा पिता की देखरेख में ही हुई। आप 1974 में ईरान गये जहां आपने विख्यात विद्वानों के सानिध्य में शिक्षा प्राप्त की। आपकी फारसी में लिखी गई कई किताबें ईरान में मशहूर हुई हैं जिनमें अमीर कबीर और बुनियादें शहीद ख़ास हैं जिसके नतीजे में आप ईरान के शिक्षा बोर्ड के मेम्बर भी रहें। 1984 में आप लंदन पहुंचे जहां रिसर्च करके एक किताब भी लिखी जिसका नाम मेन्यूल ऑफ इस्लामिक बिलीव्स एंड प्रेक्टिस है। भारत लौटकर आपने धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन किया और साथ ही कुरआन की व्याख्या भी की जिसके दो भाग प्रकाशित हो चुके है।

प्रोफेसर सैयद अली मोहम्मद नक़वी

डीन- फेकल्टी और थियोलॉजी
अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी

डॉ. निलिम्प त्रिपाठी

प्रोफेसर
महर्षि वैदिक युनिवर्सिटी
भोपाल

डॉ. निलिम्प त्रिपाठी ने भोपाल युनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री ली। एम.ए. एवं एम.फिल के बाद पी.एच.डी.की। ऑल इंडिया कालिदास समारोह के श्लोक पाठ प्रतियोगिता और इंटर युनिवर्सिटी संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता में दो बार गोल्ड मेडल जीता। महर्षि वेद विजन टी.वी. चैनल हॉलैंड से 121 देशों में डॉ. त्रिपाठी का पूर्ण ज्ञान पाठ्यक्रम प्रसारित हो चुका है। कई पत्र-पत्रिकाओं में उनके आलेख और कविताएं छप चुकी है। कौवा चला हंस की चाल, संस्कृत परिवेश और मध्यप्रदेश जैसी किताबें आ चुकी हैं। विदेश सेवा में महर्षि ओपन युनिवर्सिटी हॉलैंड में अतिथि प्राध्यापक रह चुके हैं। महर्षि वैदिक युनिवर्सिटी में संस्कृत के प्रोफेसर है और देश के अलग अलग मंचों पर धर्म, साहित्य पर अपने व्याख्यान देते रहते है।

सत्यनारायण सत्तन कवि और हिन्दी मर्मज्ञ है मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति के सदस्य समिति से जुड़ें हैं इसके ज़रिये देशभर में हिन्दी की सेवा कर रहे हैं। कवि सम्मेलनों के मंच पर आप जाना-पहचाना नाम हैं। इसके अलावा हिन्दी और राष्ट्रीयता को लेकर देशभर में व्याख्यान देते हैं।

श्री सत्यनारायण सत्तनजी

कवि एवं राजनेता

आपका जन्म 23 मार्च 1975 को हुआ। आपने साउथ गुजरात महाविद्यालय से बी.एस.सी. इलेक्ट्रानिक्स की डिग्री ली। सूफीइज़्म के ज़रिये शांति, एकता, मानवता और राष्ट्रीयता का अलख जगा रहें हैं। आप अटोदरा दरगाह के मुख्य सेवक, चेयरमेन जीएमएफडीटी राज्य सरकार गुजरात और मुस्लिम उम्माह चैनल के संस्थापक भी रह चुके है।

सूफी एम.के. चिश्ती

अध्यक्ष- हज कमेटी
गुजरात सरकार

वाजिद अली खान

लेक्चरार - मौलाना आज़ाद कॉलेज, औरंगाबाद

एम.ए. इंग्लिश में मैकेनिकल इंजिनियरिंग में तालीम हासिल करने वाले वाजिद अली खान ने कुरआन पर एम.फिल किया है और पी.एच.डी. की डिग्री कुरआन और बाइबल के तुलनात्मक अध्ययन पर कर रहे हैं। आप अब तक देश-विदेश में 1000 से ज्यादा लेक्चर दे चुके है। खास बात ये है कि आप उर्दू, हिन्दी, मराठी और इंग्लिश में धाराप्रवाह लेक्चर देने के लिये जाने जाते हैं।

तैय्यबा मोईन फातिमा

सामाजिक कार्यकर्ता

औरंगाबाद की रहने वाली फातिमा ने दीनी और दुनियावी दोनो ही क्षेत्रों में बेहतरीन शिक्षा हासिल की है। आपने सोशालॉजी में एम.ए. किया उर्दू से और फिर बी.एड. भी किया और इसके साथ-साथ दीनी तालीमात में भी उम्दा प्रदर्शन करते हुए कारिया और आलिमा जैसी महत्वपूर्ण डिग्रीयां भी अपने

स्वामी निमाई सुंदर दास जी, कृष्णभक्ति मार्ग के ब्रह्म मध्व गौड़ीय संप्रदाय परंपरा में दीक्षित हैं, उच्च शिक्षा के प्राप्त करने के बाद आध्यात्म के मार्ग पर चल पड़े। युवा प्रचारक, प्रशिक्षक व मार्गदर्शक के रूप में जाने जाते हैं। इस्कॉन के विभिन्न प्रकल्पों के साथ, देश विदेश में आध्यात्म के व्यावहारिक पक्ष पर व्याख्यान और मार्गदर्शन करते हैं।

स्वामी निमाई सुंदर दास जी

स्वामी निमाई सुंदर दास

लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

सोशल एक्टिविस्ट
अभिनेत्री - नृत्यांगना

लक्ष्मी जी ट्रांसजेन्डर है, जो सोशल कार्यकर्ता के साथ-साथ कई हिंदी फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी हैं । साथ ही भरतनाट्यम नृत्य कला में भी निपुण है। किन्नर हैं जिनका जन्म 1979 में ठाणे में हुआ था। पहली ऐसी किन्नर है, जिन्होंने वर्ष 2008 में संयुक्त राष्ट्र में एशिया का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने वहां कहा था कि लोगों को मानवीय होना चाहिए। उन्हें हमारा मानव के रूप में सम्मान करना चाहिए और हमारे अधिकारों को ट्रांसजेंडर के रूप में मानना चाहिए। लक्ष्मी जी ने शिक्षा मुम्बई के मीठीबाई कॉलेज से की और पोस्ट ग्रेजुएशन भरतनाट्यम में किया। आपने केन घोष के कई संगीत विडियो में काम किया और अपने आप को कोरियोग्राफर भी कहलवाया। 2002 में लक्ष्मी जी गैर सरकारी संगठन डीएआई वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष बनी। थोड़े ही अरसे में उन्होंने भारत की सरहद पहली बार लांघी और सेक्स वर्करों के काम के लिए टोरंटो, कनाडा, एशिया पेसिफिक पहुँच गईं। लक्ष्मी जी के पासपोर्ट में छपा है कि मैं किन्नर है।

ब्रह्मानानन्दचार्य महाराज के गोवा के प्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र 'तपोभूमि' कुंडईम में फोंडा तालुका में स्थित है। गोवा सिर्फ इंजॉय, मस्ती और उल्लास का शहर बनकर रह गया था लेकिन स्वामीजी ने गोवा की खोई ऐतिहासिक पहचान 'देवबुद्धि' के रूप में पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोवा को ईश्वर ने प्राकृतिक संसाधनों, धनुष, रेत और समुद्र का दान किया है साथ ही सकारात्मक ऊर्जा के पॉवरहाउस के रुप में जाना गया है। आज स्वामीजी के अथक प्रयासों ने गोवा को मानव जाति की शांति के लिए विभिनन्न क्षेत्रों में योगदानों के चलते वैश्विक मानचित्र पर चिंहित किया है। स्वामी जी के प्रयासों से गोवावासी ईश्वर से डरते है और 'जीओ और जीने दो' रवैया के साथ सहिष्णु भी है।

ब्रह्मानानन्दचार्य महाराज

'तपोभूमि' कुंडईम, गोवा

सिलसिला यारी का...!

डीएचएल इंफ्राबुल्स और अदबी-कुनबा की पेशकश
मشاعره
12.12.2017
शब-ए-सुख़न
यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम
इंदौर
DHL
Adbikunba
MANKIYATRA.COM
तहज़ीबी-संगम
अवॉर्ड
सुखनवर 2017

ऐ मालिक तेरे बंदे हम

ऐसे हो हमारे करम ।
नेकी पर चलें
और बदी से टलें ।
ताकि हंसते हुये निकले दम

सिलसिला दिलदारी का

DHL INFRABULLS SAMUH

DHL INFRABULLS INTERNATIONAL Pvt. Ltd. Building Homes

DHL BHARAT WORLDWIDE TECHNOLOGIES PVT. LTD.

MANKIYATRA.COM
FLIGHTS - HOTELS - HOLIDAYS

FA CREATIVE

DELHI PUBLIC ELEMENTARY SCHOOL

कौटिल्य एकेडमी
IAS / IPS / MPPSC

रूपांकन
www.roopankan.org

Ghamasan.com
घमासान.कॉम

cherry tree HOTELS

SHREE BALAJI TOWNFOLK EDIFIC PVT. LTD.

BABLU RADIO & ELECTRICAL

INDORE
RELIGION CONCLAVE
11-12 April 2018

हमसाज़

AMBER CONVENTION CENTRE, BY SAYAJI
NEAR BEST PRICE, BYPASS ROAD, INDORE
+91 94250 55566 | ninad0731@gmail.com